(Answer No 9)

(9) संतुलित परिस्थितिकी तंत्र:- आज मनुष्य ने इतनी प्रगति कर ली है। कि अब वह कुछ भी कर सकता है। परन्तु मृत्यु पर उसका नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। इस प्रगति के लिए उसने प्रकृति का किस हद हद तक दोहन किया है। इसका कोई उत्तर नहीं है।
पृथ्वी पर रहने वाले सभी जीव कार्बनिक, आक्सीजन नाइट्रोजन, आदि तत्वों से बने है।

पृथ्वी पर तापक्रम धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है। इस क्रिया को पादप गृह प्रभाव कहते है।
इसके अत्यन्त गम्भीर परिणाम होंगे
जैसे- समुन्द्री जल स्तर ऊँचा उठ जायेगा
जीवाश्म ईंधन जैसे कोयला, खनिज तेल आदि जलाने में सल्फर डाई-आक्साइड बनती है।
वायुमण्डल में इसकी अधिकता के कारण अब वर्षा जल के साथ ये गैसें भी घुल जाती है।